मेरी उम्मत के अंतिम ज़माने में एक ख़लीफ़ा होगा, जो गिने बिना लप भर-भरकर लोगों को माल देगा।

अबू नज़रा का वर्णन है, वह कहते हैं कि हम जाबिर बिन अब्दुल्लाह -रज़ियल्लाहु
अन्हुमा- के पास बैठे थे कि उन्होंने कहाः शीघ्र ही ऐसा होगा कि इराक़ के लोग के पास क़फ़ीज़ और दिरहम आना बंद होजाए । हमने कहाः इसका ज़िम्मेवार कौन होगा? फ़रमायाः ऐसा करने में ग़ैर-अरबों का हाथ होगा, वे क़फ़ीज़ और दिरहम रोक लेंगे । फिर फ़रमायाः
शीघ्र ही ऐसा होगा कि शाम के लोग के पास अपने दीनार और गल्लों का आना बंद होजाए । हमने कहाः इसका ज़िम्मेवार कौन होगा? फ़रमायाः ऐसा रूमियों की ओर से होगा। फिर कुछ देर ख़ामोश रहे और फ़रमायाः अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- का फ़रमान हैः "मेरी उम्मत के अंतिम ज़माने में एक ख़लीफ़ा होगा, जो गिने बिना लप भर-भरकर लोगों को माल देगा।" वर्णनकर्ता कहते हैं◌ः मैंने अबू नज़रा और अबुल-अला से पूछा कि क्या आप समझते हैं कि इस ख़लीफ़ा से मुराद उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ हैं? दोनों ने कहाः नहीं! [सह़ीह़] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/11218